कहानी

प्यासा कौआ

जून का महीना था। एक प्यासा कौआ पानी की तलाश में उड़ता हुआ एक बगीचे में पहुँचा।वहाँ उसे पानी का एक घड़ा दिखाई दिया। वह फौरन घड़े के पास पहुँचा। घड़े में पानी थोड़ा - सा था।कौए की चोंच पानी तक नहीं पहुँच रही थी।कौए ने पानी पीने की आशा न छोड़ी। उसे घड़े के पास कुछ छोटे -छोटे कंकर दिखाई दिए।उन्हें देखकर कौए को एक उपाय सूझा। कौए ने अपनी चोंच से एक-एक कंकर उठाकर पानी में डालना शुरू किया। जैसे-जैसे घड़े में कंकर पड़ते गए, वैसे-वैसे घड़े का पानी पर आने लगा। जब घड़े का पानी पर आ गया , तब कौए ने जी भरकर पानी पीया और उड़ गया।

शिक्षा - जहाँ चाह, वहाँ राह।

सौजन्य :- सुनीता चोपड़ा ( हिन्दी शिक्षिका)

कहानी